मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-5

“मैं तो पैसे के लालच और साथ में सेक्स का मजा लेने गयी थी लेकिन मुझे क्या पता था कि मेरे साथ क्या बीतने वाली है. मेरी आपबीती पढ़ कर देखें कि मेरी क्या हालत हुई. …”

Story By: (suhani.k)
Posted: Saturday, March 9th, 2019
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-5

> चुदाई पूरी होने के बाद मैंने अपनी चुत का जायजा लिया, तो फिर से वो काफी खुल चुकी थी। हर्षिल ने कहा, देखा रोज़ एक बार चुदवा लिया कर तभी तेरी चुत खुली रहेगी वरना इतने दिनो बाद चोदने में तेरे को भी दर्द होता है और मुझे भी लंड डालने में दिक्कत आती है। मैंने कहा ठीक है। फिर मैं उठ के बाथरूम चली गयी। और अपना शरीर साफ किया।
>
> मैं बाहर आ गयी फिर हर्षिल बाथरूम चला गया अपने आपको साफ करने ! मैंने कपड़े नहीं पहने और नंगी ही हाल में आ के बैठ गयी।

हर्षिल आया और बोला- क्या बात है ? मेरे घर में नंगी ही घूमती रहती हो।
मैंने हंस के कहा- थोड़ी देर में फिर उतारने पड़ेंगे. इससे अच्छा तो अभी पहनूँ ही न।
वो मुस्कुराया और मेरे पास आ कर बैठ गया।

फिर उसने कहा- एक बात कहूँ ?
मैंने बोला- बोलो न ?
उसने कहा- मैं तेरी गांड में चोदना चाहता हूँ इस बार।
मैंने कहा- बिल्कुल नहीं, गांड में कौन चोदता है ?
हर्षिल बोला- कोई मूर्ख ही होगा जो नहीं चोदता होगा.
मैंने जवाब दिया- सॉरी पर नहीं।

उसने बोला- प्लीज।
मैं भी अड़ी रही और मना करती रही।

फिर उसने टीवी पे एक ब्लू फिल्म लगा दी और हम दोनों देखने लगे। अब आप खुद ही सोचिए कि आपके सामने टीवी पे ब्लू फिल्म चल रही हो और आपके पास में एक बहुत खूबसूरत लड़की बैठी हो … वो भी नंगी तो आप कितनी देर तक काबू कर सकते हैं। कमरे का माहौल फिर गरमाने लगा। हर्षिल मेरे बगल में बैठा टीवी देख रहा था, मुझे भी जोश चढ़ने लगा। लगभग एक घंटा हो चुका था और मैं फिर से चुदने को तैयार थी।

मैं हर्षिल की गोदी में आ के बैठ गयी और अपनी बांहें उसके कंधे पे रख दी क्योंकि हम दोनों ही नंगे थे इसलिए हम दोनों के गरम जिस्म एक दूसरे के संपर्क में थे।
हर्षिल ने मेरी तरफ देखा और बोला- इरादा क्या है ?
मैंने कहा- वही जो कॉलेज के सब लड़कों का है मेरे बारे में !
वो हंसने लगा और कहने लगा- तुझे क्या पता कॉलेज वाले तेरे बारे में क्या बोलते हैं ?
मैंने कहा- इस वक़्त कॉलेज वाले इंपोर्टेंट हैं या मैं ?
उसने कहा- सिर्फ तुम जानेमन, बाकी दुनिया जाए माँ चदाने।

और उसने उठा के मुझे सोफ़े पे साइड में फेंक दिया और मेरी चुत चाटने लगा।
मैं यही तो चाह रही थी ; मैं गर्म आहें भरने लगी। मैंने अपना सिर सोफ़े के आर्म रेस्ट पे टिका रखा था और हर्षिल मेरी चुत को चूसे जा रहा था पागलों की तरह। मैं उसके सिर को पकड़ के चुत में दबाये जा रही थी और अपनी गांड उठा उठा के चुत को उसके मुंह में घुसाये जा रही थी। उसे बहुत मजा आ रहा था और मेरे आनंद की भी कोई सीमा नहीं थी।

लगभग 5 मिनट चुत चाटने के बाद वो मेरे बूब्स पे आ गया और निप्पल मुंह में लेके चूसने लगा। मुझे जोश चढ़ चुका था, मैंने कहा- सर, अब थोड़ी सर्विस मुझे भी करने दो !
और मैंने उसको सोफ़े पे बैठाया और उसके लंड को हाथ से सहलाने लगी। उसका लंड

मोटा होने लगा।
और मैंने फिर लंड को मुंह में ले के चूसना शुरू किया ; एक मिनट में लंड मुझे चोदने को तैयार था।

उधर टीवी पे ब्लू फिल्म में लड़का लड़की की गांड मार रहा था। हर्षिल ने कहा- प्लीज सुहानी यार … गांड में करते हैं न … प्लीज प्लीज ?
मैंने कहा- नहीं यार प्लीज समझो।
पर आज वो भी ज़िद पे अड़ा था ; उसने बोला- अच्छा अगर तुम्हें मजा न आया तो तुरंत हट जाऊंगा पर एक बार कोशिश तो करो।
मैंने कहा- नहीं, सिर्फ चुत में लंड डालने की इजाजत है तुम्हें !
फिर उसने कहा- अच्छा ठीक है बाबा, तुम जीती, जाओ अंदर से नारियल तेल की बॉटल ले आओ, थोड़ा चिकनी चुत कर के चोदूँगा।

मैं उठी और तेल ले आई। उसने मेरी कमर से नीचे टाँगों तक सारा शरीर तेल से चिकना कर दिया मसल मसल कर। मेरी चुत और चूतड़ पे भी तेल लगा के चिकना कर दिया। कमरे की सफ़ेद रोशनी में सब मेरा जिस्म शीशे की तरह चमक रहा था। मैं उसकी तेल मालिश से उत्तेजित हो चुकी थी। उसने तेल मेरी चुत और गांड के छेद पे ही डाल दिया था।
मैंने कहा- गांड में तेल क्यूँ डाल रहे हो ?
उसने कहा- तेरे चिकने जिस्म पे बह के जा रहा है सब जगह !

उसने दबा के मालिश की तो चुत में और गांड में तेल चला गया और दोनों ही चीजें अंदर से भी चिकनी हो गयी।
उसने कहा- यार मेरे लंड की भी मालिश कर दे।
मैंने कहा- लाओ।
वो खड़ा हो गया और मुझे तेल की शीशी दे दी।

मैं घुटने के बल बैठ के उसके लंड को तेल पिलाने लगी और वो चिकना हो गया एकदम सख्त।

उसने कहा- शुरू करें ?
मैंने कहा- बिल्कुल !

उसने मुझे अपने सामने खड़े होने को कहा।
मैं हो गयी।

उसने मेरी बाई टांग को हाथ से उठाया चुत से लंड सटाया और एक ही झटके में घुसेड़ दिया। चिकना लंड और चिकनी चुत होने की वजह से लंड फच्च कर के चुत में पूरा घुसता चला गया और ज़ोर से आहह कर के उसकी बांहों में गिर गयी। वो मुझे लंड डाले डाले ही दीवार तक ले आया और फिर सामने से धक्के मार मार के चोदने लगा।
हम दोनों के होंठ एक दूसरे को किस कर रहे थे और उसका लंड मुझे चोदे जा रहा था घपा घप घप घप। मैं ज़ोर ज़ोर से सिसकारियाँ ले रही थी और कह रही थी- आह हर्षिल … आह आह आह हर्षिल … और ज़ोर से !
और वो स्पीड बढ़ा रहा था। उसका लंड चिकनाहट के कारण आसानी से अंदर बाहर हो रहा था और मैं मजे ले के चुदी जा रही थी।

लगभग 5-6 मिनट ऐसे ही चोदने के बाद वो हटा और हाँफने लगा। मैं भी थक के वही फर्श पे बैठ गयी और उसके लंड को सहलाने लगी हाथ से।
उसने कहा- चलो बेडरूम में !
और हम बेडरूम में आ गए।

वो तेल की बॉटल साथ लाया था, मुझे घोड़ी बना कर उसने फिर से काफी सारा तेल मेरी गांड पे डाल दिया और चुत में उंगली से डालने लगा तेल। हालांकि उसने गांड पे भी ऊपर

से डाल डाल के काफी तेल अंदर पहुंचा दिया था।
उसने कहा- अब तैयार हो ?
मैंने कहा- हम्म।

उसने मेरी चुत पे लंड लगाया और थोड़ा थोड़ा डाल के चोदने लगा। मैं तड़पने लगी और चिल्लाने लगी- भेनचोद … ये क्या कर रहा है, पूरा लंड तो डाल … प्लीज यार ऐसे मत तड़पा !
वो समझ गया था कि मैं अपने पूरे जोश में हूँ और अब किसी चीज़ को मना नहीं करूंगी। उसने लंड निकाला और मेरी गांड के छेद पे टिकाया, मुझे जैसे ही महसूस हुआ कि वो अब गांड में डाल देगा, मैं तुरंत चिल्लाई और बोली- आआआआह … रुको !
और इसके साथ ही उसने अपना 7 इंच मोटा लंड मेरी गांड में एक झटके में घुसा दिया।

मेरी आँखों से आँसू आ गए और मैं आगे झुक के रोने लगी, बहुत दर्द हो रहा था। मैंने कहा- प्लीज निकालो यार … ये डील नहीं हुयी थी।
उसने कहा- अब तो घुस गया, थोड़ी देर साथ दे भेन की लोड़ी !
और फंसे हुये लंड से ही अंदर बाहर अंदर बाहर धक्के मारने लगा. मैं दर्द से मरी जा रही थी और वो मेरी गांड मारे जा रहा था। अब मैं मजे से नहीं, दर्द से छटपटा रही थी।

मैं बस सोच रही थी कि ये जल्दी झड़ जाये और बस रोते हुये चुदती रही। मेरी गांड का दर्द तो कम हो गया था इसलिए बेमन से उसका साथ दे रही थी।

उसने 7-8 मिनट तक मेरी गांड में चुदाई करी, फिर अपने आप अलग हो गया और मेरे पास आया, बोला- रो मत जानेमन … ये तो आज कल सब करते हैं।
मैंने कहा- मैं तैयार नहीं थी यार, तुम ने फिर भी मेरी गांड में डाल दिया, ये गलत है !
उसने फिर मुझे कमर के बल लिटाया और मेरी चुत में लंड डाल के धक्के मारने लगा।

मैं अपना दर्द भूलने लगी और मादक सिसकारियाँ ले के चुदने लगी 'आह उम्म्ह… अहह… हय… याह… आआआ आआह … हर्षिल और ज़ोर से और ज़ोर से।
लगभग 5-6 मिनट उसने मुझे ऐसे ही चोदा।
थोड़ी देर बाद मैंने कहा- मैं झड़ने वाली हूँ, प्लीज मेरा साथ दो!
और फच फच की आवाजें आने लगी. मेरी चुत झड़ रही थी और मेरी टांगें अकड़ के सीधी हो गयी, मैं एक झटके में झड़ गयी और तेज़ साँसें लेती हुई निढाल हो के गिर गयी।

पर हर्षिल नहीं झड़ा था, उसने मुझे कहा- ये आखिरी बार!
और फिर मेरी गांड में अपना लंड एक झटके में ठोक दिया और धक्के मारने लगा। मेरी आँखों में आंसू आ आ गए और मैं चुपचाप छत की और देखती रही और उसके धक्कों से हिलती रही। लगभग 2 मिनट मेरी गाँड मारने के बाद वो एक ज़ोर की आह के साथ उसी में झड़ गया और मेरे ऊपर आ के गिर गया।

मैं दर्द से तड़प रही थी पर चुप थी। फिर जब उसका लंड झड़ के पतला हुआ वो मेरे से अलग हुआ, मैं चुपचाप उठी और शीशे के सामने अपनी चुत और गांड को देखने लगी। आज हर्षिल ने चोद चोद कर दोनों को फैला दिया था। मेरी हालत बहुत खराब हो गयी थी, बाल बिखर चुके थे, काजल भी आँसुओं की वजह से फैल गया था।

मैं लड़खड़ाते हुए बाथरूम में गयी और नहाने लगी शावर में।
हर्षिल अंदर आ गया और मुझे अपने हाथों से साफ करने लगा। फिर मैं गीली ही हाल में आई और अपने हाथों में अपना चेहरा ढक कर रोने लगी।
वो मेरे पास आया और बोला- प्लीज बेबी रोओ मत ; मैं तुम्हारी चिकनी गांड को देख के खुद को रोक नहीं पाया।
मैं कुछ नहीं बोली।

वो मेरे लिए कुछ खाने को ले आया, हमने चुपचाप खाना खाया।

तभी उसने मेरे हाथ में एक लिफाफा दिया। मैंने खोला तो उसमें 35000 रुपए थे।
मैं बोली- तुम तो केवल 20000 रुपए को बोल रहे थे ?
उसने कहा- जो बचे हुये 15000 हैं, ये उस दर्द को सहने के लिए और फिर भी साथ देने के लिए है।
मैंने 'हम्म …' कहा और अपने पर्स में रख लिए।

फिर मैंने अपने कपड़े पहने और जाकेट पहन के तैयार हो गयी जाने के लिए। उसने मेरे लिए कैब मंगा दी और मुझे सहारा दे के नीचे तक छोड़ने आया।

मैं कैब से होस्टल आ गयी और धीरे धीरे अपने रूम में आ गयी। तन्वी ने गेट खोला तो मुझे देख के बोली- क्या हुआ ?
मैं उसके गले लग गयी और बोली- यार, हर्षिल बहुत गंदा है उसने मेरी गांड भी मार ली आज … वो भी बिना पर्मिशन के।
हर्षिल ने तन्वी को पहले ही फोन कर दिया था ताकि वो मुझे संभाल ले।
तन्वी बोली- कोई नहीं यार … ऐसा हो जाता है। तू आ जा !
फिर उसने मुझे दर्द की दवाई दी और मैं सो गयी।

अगली सुबह मेरे कमरे में एक गिफ्ट पैक रखा हुआ था और साथ में एक लेटर था उसमें लिखा था- प्लीज मुझे माफ कर दो सुहानी, तुम गुस्सा मत हो, मैं जोश में आ गया था तो हो गया।
मैंने गिफ्ट खोल के देखा तो उसमें एक लेटेस्ट आईफोन था। मेरी आँखों में चमक आ गयी, मैंने उसे फोन किया और कहा- तुम्हारी माफी स्वीकार कर ली गयी है।
उसने कहा- थैंक यू वेरी मच सुहानी !
मैंने कहा- कोई बात नहीं ! अब बाय … मुझे कॉलेज जाना है।
और मैंने फोन काट दिया।

मैं कॉलेज न जा के फिर से सो गयी।

तो दोस्तो, मेरी गांड चुदाई की कहानी पढ़कर आपको मजा आया या नहीं ? कृपया मुझे कमेंट्स में बतायें।

suhani.kumari.cutie@gmail.com

Other stories you may be interested in

दोस्त की बहन की जबरदस्त चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मैं टोनी सोनीपत हरियाणा से एक बार फिर मेरी एक नई सच्ची कहानी लेकर आप लोगों के सामने हाजिर हूँ। मेरी पिछली कहानी चाची की कामवासना और सेक्स गर्लफ्रैंड की सील तोड़ी उसके घर पर को भरपूर प्यार […]
Full Story >>>

कोटा की स्टूडेंट की कुंवारी चूत-3

उस दिन जो कुछ हुआ उससे मुझे इतना तो पक्का हो गया था कि स्नेहा को फील तो अच्छा लगा और उसके कुछ भी करने के ना रोकने से ये भी पता चल गया था कि बहुत ही जल्द अब […]
Full Story >>>

मेरी मासूमियत का अंत और जवानी का शुरुआत-4

उसने कहा- उफ़्फ़ … तेरी चूत बड़ी शैतान है, इतनी टाइट है कि लोडा आसानी से नहीं जाता। मैंने कहा- कोई बात नहीं जानू … तुमसे 8-10 बार चुद के खुल जाएगी। उसने कहा- ऐसे नहीं खुलेगी, उसके लिए रोज़ […]
Full Story >>>

कोटा की स्टूडेंट की कुंवारी चूत-2

मैंने स्नेहा का चेहरा पकड़ा और चेहरा घुमाकर सीधा उसके होठों पर किस कर दिया और कसकर पकड़े रहा। स्नेहा आंखें खोलकर देख रही थी अब और उसकी साँसें अटक रही थी तब मैंने उसे छोड़ा। मगर इतना करने पर […]
Full Story >>>

मैं सम्भोग के लिए सेक्सी डॉल बन गई-2

आपने अब तक की कहानी मैं सम्भोग के लिए सेक्सी डॉल बन गई-1 में पढ़ा कि मैं सुखबीर के साथ सम्भोग करने के सेक्सी डॉल बन चुकी थी. अब आगे : मैंने उसे बता दिया कि ध्यान से चारों और देखते […]
Full Story >>>